विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय सी० सी० ए० दिनांक 18 सितंबर 2020

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

प्यारे बच्चों !

सुप्रभातम ।

आज सी० सी० ए० के अंतर्गत आप लोगों को एक कहानी सुनाने जा रहा हूँ।

इसे ध्यान देकर समझिए।

एक बार एक अध्यापक अपने शिष्यों के साथ घूमने जा रहे थे। रास्ते में वे अपने शिष्यों को अच्छी संगत का महिमा समझा रहे थे। लेकिन शिष्य इसे समझ नहीं पा रहे थे। तभी अध्यापक ने फूलों से उगा हुआ एक गुलाब का पौधा देखा। उन्होंने उस पौधे के नीचे से तत्काल एक मिट्टी का ढेला उठाकर ले आने को कहा। जब शिष्य ढेला उठाकर लाया तो अध्यापक बोले –"इसे अब सूंघो"।

शिष्य ने ढेला सूंघा और बोला-"इसमें तो गुलाब का बड़ी अच्छी खुशबू आ रही है।"

तब अध्यापक बोले-“बच्चों! तुम जानते हो इस मिट्टी में मनमोहक महक कैसे आई?” दरअसल इस मिट्टी पर गुलाब के फूल टूट टूट कर गिरते रहते हैं तो मिट्टी में भी गुलाब की महक आने लगी। जो की यह असर संगत का है। और जिस प्रकार गुलाब की पंखुड़ियां की संगति के कारण इस मिट्टी में गुलाब की महक आने लगी उसी प्रकार जो व्यक्ति जैसी संगत में रहता है उसने वैसा ही गुण दोष आ जाते हैं।